प्रवासी भारतीय भारत के सांस्कृतिक राजदूतों के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं: लोक सभा अध्यक्ष

कम्पाला, युगांडा, 29 सितम्बर, 2019: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कम्पाला, युगांडा में 64वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में भाग लेने आए भारतीय संसदीय शिष्टमंडल के सदस्यों के साथ युगांडा में बसे प्रवासी भारतीयों द्वारा आयोजित एक स्वागत समारोह में भाग लिया। इस समारोह का आयोजन चार-दिवसीय सम्मेलन की समाप्ति के उपरांत युगांडा में भारतीय एसोसिएशन द्वारा किया गया था।

श्री अधीर रंजन चौधरी, संसद सदस्य (लोक सभा); श्रीमती रूपा गांगुली संसद सदस्य (राज्य सभा); डा. एल. हनुमंथैया, संसद सदस्य (राज्य सभा); श्रीमती अपराजिता सारंगी, संसद सदस्य (लोक सभा) और उड़ीसा विधान सभा के अध्यक्ष डा. सुर्जया पात्रो भी स्वागत समारोह में उपस्थित थे।

उन्होंने स्मरण किया कि महात्मा गांधी की अस्थियां युगांडा में विसर्जित की गई थीं जिससे दोनों देशों के बीच सुदृढ़ साझी सांस्कृतिक विरासत रेखांकित हुई। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने अफ्रीका से ही साम्राज्यवाद के विरुद्ध अपना संघर्ष प्रारंभ किया था और जो अलख उन्होंने अफ्रीका में जगाई थी वह भारत में और अंतत: संपूर्ण विश्व में फैल गई तथा उससे साम्राज्यवाद की समाप्ति हुई। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर भी विश्व के लिए उनका शांति और अहिंसा का संदेश आज भी प्रासंगिक है।

श्री बिरला ने कहा कि प्रवासी भारतीयों ने उन देशों जहां वे बसे हुए हैं, के प्रति न केवल आर्थिक बल्कि सामाजिक क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है। प्रवासी भारतीय भारत के सांस्कृतिक राजदूतों के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने उनके योगदान के प्रति उनका आभार व्यक्त किया और यह सूचित किया कि भारत आज आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध किए जा रहे संघर्ष में अग्रणी भूमिका निभा रहा है जो आज के विश्व के सम्मुख दो बड़ी चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि भारत वर्ष 2022 तक 'नए भारत' का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा इस लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में कड़े प्रयास कर रहा है।

श्री बिरला ने युगांडा में बसे भारतीय समुदाय के सदस्यों को भारतीय संसद आने और संसद की दोनों सभाओं की कार्यवाहियों को देखने का निमंत्रण दिया।